अमृत-2 योजना अंतर्गत शहर की सड़कों का हुआ कबाड़ा

महीनों खुदी पड़ी रहने से आवागमन हुआ बाधित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 फरवरी। शहर मे शुद्ध पेयजल के नाम पर दो बार पहले ही पाइपलाइन डाली जा चुकी है जिसमें करोड़ों रूपये खर्च हो चुका है लेकिन पेयजल समस्या यथावत है। अब अमृत -2 योजना के तहत तीसरी बार हर घर जल सप्लाई के लिए फिर से पाइपलाइन डाली जा रही है जिसके लिए निर्माण एजेंसी नगरपालिका द्वारा शहर की सड़कों का कबाड़ा कर दिया गया।

बिना किसी सूचना के सड़कों को तोड़कर नालियां बना दी गई और काम इतना कछुआ गति से चल रहा है कि महीनों से सड़कों खुदी पड़ी रहती है लोगों का निकलना मुश्किल हो गया और कार्य भी गुणवत्ताहीन निर्धारित मापदंडों के विरूद्ध हो रहा है लेकिन उच्च राजनैतिक संरक्षण प्राप्त नगरपालिका की हिटलरशाही के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं होती। किशोरगंज तथा बस स्टैंड से केन्द्रीय विद्यालय की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग सहित कई इलाकों में बिना किसी सूचना संकेतक के नालियां और सड़कें खोद दी गई है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह कभी भी बडे हादसे का कारण बन सकती है। ठेका कंपनी काम के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रही है कई स्थानों पर पुराने नल कनेक्शन तोड़ दिए गए हैं। इससे बीते दो दिनों से पानी सड़कों के किनारे बह रहा है। शहरवासियों का कहना है कि ठेका कंपनी पहले दिन सीसी रोड पर खुदाई के निशान लगाती है और अगले ही दिन बिना किसी पूर्व सूचना के सड़क उखाड देती है। खुदाई के दौरान यह आश्वासन दिया गया था कि कार्य पूर्ण होते ही सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी, लेकिन हकीकत इसके उलट है। पाइप लाइन डलने के महीनों पहले से सड़क तोड़ दी जाती है और नागरिक निकलने के लिए परेशान रहते हैं और फिर पाइपलाइन डलने के महीनों बाद सड़क के ऊपर थिगरे लगाकर खानापूर्ति कर दी जाती है। नागरिकों द्वारा की गइ शिकायतों को भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन और ठेका कंपनी की चुप्पी ने हालात को और बद्तर बना दिया है। जिम्मेदार भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

पार्षदों की भी नहीं सुन रहा नगर प्रशासन

नल जल योजना में हो रही इस अव्यवस्था के खिलाफसत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के पार्षदों ने भी सीएमओ से मुलाकात कर जनता की परेशानी और हादसों की जानकारी दी, लेकिन उनकी सुनवाई भी नहीं हो रही है। इससे पार्षदों में भी नाराजगी व्याप्त है। लोगों का सवाल है कि आखिर सीसी सडकों की मरम्मत कब होगी, तय शर्तो के अनुसार खुदाई के बाद तुरंत सुधार कार्य किया जाना चाहिए था, लेकिन महीनों बाद भी सड़कें बदहाल है। नागरिकों का कहना है कि बडी मुश्किल से पक्की सड़कें बनी थीं, जिन्हें नल जल योजना के नाम पर फिर से उखाड़ दिया गया। अब यह योजना कब जनता को राहत देगी और कब तक शहरवासी इसी परेशानी से जूझते रहेंगे यह जवाब किसी के पास नहीं है।

लापरवाह वार्डन संदीप्ति सिंह को संयुक्त संचालक ने किया निलंबित

नवभारत न्यूज

गुनौर/पन्ना 14 फरवरी। मुख्यालय गुनौर में संचालित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास की पूर्व अधीक्षक संदीप्ति सिंह जो शासकीय कन्या हाई स्कूल गनौर में मूल रूप से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदस्थ थी।

अतिरिक्त प्रभार के रूप में वार्डन थी जिनके द्वारा छात्रावास संचालन में गड़बड़ी के चलते दिनांक 1 फरवरी को वार्डन के प्रभार से मुक्त कर दिया गया था वार्डन से मुक्त होने पर उनके द्वारा नाटकीय ढंग से अपने समर्थन में छात्राओं से प्रर्दशन कराया प्रर्दशन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कुछ राजनैतिक गतिविधियों में संलिप्त दायित्व वान कार्यकर्ताओं ने भी वार्डन को हटाने के विरुद्ध में प्रदर्शन किया जबकि इन विद्यार्थी परिषद के जिम्मेदारों को विद्यार्थियों की समस्याएं देखने का कभी समय नहीं मिला किंतु उस दिन शासन से यह पूछते नजर आए कि वार्डन को बिना जांच के क्यों हटाया गया इसी प्रदर्शन की जांच गुनौर एसडीएम व तहसीलदार ने की जिसमें यह पाया गया कि छात्रों का प्रदर्शन पूर्व वार्डन संदीप्ति सिंह के द्वारा ही नियोजित ढंग से कराया गया जिसके जांच प्रतिवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने 2 फरवरी को संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग सागर को पत्र भेजकरकृत्यों को लेख कर निलंबन का प्रस्ताव भेजा गया जिस पर संयुक्त संचालक सागर ने संदीप्ति सिंह के निलंबन का आदेश जारी किया है एवं निलंबन अवधि में संदीप्ति सिंह की उपस्थिति बीईओ कार्यालय गुनौर में रहेगी। बिलों के भुगतान का भौतिक सत्यापन होना चाहिए साथ ही इनके दो पीरियड अपनी पदांकित शाला में पढ़ाने के थे। उनके द्वारा कितना पढ़ाया गया है इसकी भी जांच हो ताकि वास्तविक सत्यता सामने आ सके एवं नियमानुसार कार्यवाही हो सके जिससे दूसरे छात्रावासो में भी गड़बड़ी करने वालों में भय व्याप्त हो और बच्चों को उनका सही हक मिल सके।

दक्षिण पन्ना वनमण्डल की पहल वल्चर फ्रेंडली गौशाला स्व-प्रमाणन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 फरवरी। मध्य प्रदेश वन विभाग के दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा गिद्ध संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु वल्चर फ्रेंडली गौशाला प्रमाणन पहल शुरू की गई है।

इस पहल का उद्देश्य गौशालाओं में ऐसी पशु-चिकित्सा एवं प्रबंधन पद्धतियों को सुनिश्चित करना है, जिनसे गिद्धों को हानिकारक दवाओं के अवशेषों से होने वाले खतरे से बचाया जा सके और उनके प्राकृतिक संरक्षण को मजबूती मिले। इस पहल के अंतर्गत पवई स्थित श्री विद्यासागर गौशाला दक्षिण पन्ना वनमण्डल की पहली स्व-प्रमाणित वुल्चर फ्रेंडली गौशाला बनी है। गौशाला की ओर से यह स्व-प्रमाणन पत्र श्री विद्यासागर गौ रक्षा एवं संवर्धन समिति के अध्यक्ष नितिन कुमार जैन द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है, जिसमें गिद्ध संरक्षण के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। स्व-प्रमाणन के अनुसार गौशाला में पशुओं के उपचार, देखरेख एवं प्रबंधन में केवल गिद्धों के लिए सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों का पालन किया जाता है। आवश्यकता होने पर केवल सुरक्षित दवाएं पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रयोग की जाएंगी तथा मृत पशुओं के निस्तारण में भी ऐसी व्यवस्था अपनाई जाएगी जिससे गिद्धों को हानिकारक अवशेष न मिलें।

श्रम विभाग की निष्क्रियता के चलते कल्याण निधि जमा न होने से प्रतिमाह हो रही करोड़ों की राजस्व क्षति

नवभारत न्यूज

पन्ना,14 फरवरी। जिला मुख्यालय मे भले ही श्रम कार्यालय स्थापित है लेकिन उसकी गतिविधियां पूर्णत: शून्य है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे जिले मे श्रम विभाग है ही नहीं क्योंकि श्रम विभाग के अधिकारी मात्र अपने निजी स्वार्थपूर्ति करते हुए श्रम कल्याण योजनाओं का कबाड़ा करते हुए शासन को प्रतिमाह करोड़ों की राजस्व क्षति पहुंचाई जा रही है।

ज्ञात हो कि ऐसे प्रतिष्ठान जहां नौ से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं उन्हें श्रम नियमो के अनुसार समय-समय पर कल्याण निधि की राशि मंडल के खाते में जमा करवाने के निर्देश हैं। किन्तु बताया जाता है कि चाहे वह औद्योगिक संस्थान हो अथव अन्य कोई प्रतिष्ठान है उसके द्वारा कल्यण निधि की राशि जमा नहीं करवाई जाती। इस संबंध में निर्देश जारी किये गये हैं कि यदि राशि जमा नहीं करवाई जाती तो ऐसे संस्थानो व प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। इस मामले में श्रमायुत ने भी मध्यप्रदेश कल्याण निधि अधिनियम 1982 एवं नियम 1984 के तहत सभी औद्योगिक इकाईयों व प्रतिष्ठानों को नियमानुसार अभिदाय राशि पोर्टल के माध्यम से जमा करवाने के निर्देश जारी किये हैं।

इस तरह हैं नियम:- जानकारी के अनुसार कारखानों तथा ऐसे समस्त प्रतिष्ठान जिनमें नौ से अधिक श्रमिक, कर्मचारी कार्यरत हैं और उनका नाम कैलेण्डर वर्ष में जनवरी से दिसबर तक 30 कार्य दिवसों का दर्ज है को नियमानुसार अभिदाय राशि प्रत्येक छ: माह में जून एवं दिसबर माह के अंतिम सप्ताह तक मंडल को निर्धारित प्रारूप में पोर्टल पर जमा कराना अनिवार्य है। ऐसे प्रतिष्ठानों में होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, नर्सिंग होम, निजी स्कूल एवं कॉलेज, सिक्यूरिटी एजेन्सी, आउट सोर्स एजेन्सी सर्विस सेंटर के प्रतिष्ठान, गैस एजेन्सी, व्यापार अथवा व्यवसाय करने वाले प्रतिष्ठान शामिल है। मंडल द्वारा श्रम कल्याण निधि का उपयोग श्रमिक कर्मचारियों तथा उनके परिवार की सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को संचालित करने के लिये किया जाता है।

नहीं होता कभी निरीक्षण, देते हैं गलत जानकारी

बताया यह भी जाता है कि निजी संस्थाओं व प्रतिष्ठानों के द्वारा श्रम विभाग को कार्यरत श्रमिकों के संबंध में गलत व मिथ्यापूर्ण जानकारी प्रस्तुत की जाती है। वहीं श्रम विभाग के अधिकारी ऐसे प्रतिष्ठानों का कभी निरीक्षण भी नहीं करते। यही कारण है कि कई प्रतिष्ठानों का बचाव हो जाता है और मंडल के खाते में पहुचने वाली राशि जमा नहीं हो पाती। जबकि कई ऐसे औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थान हैं जहां नौ से अधिक श्रमिक कर्मचारी काम करते हैं। किन्तु उन कर्मचारियों को रिकार्ड में दिखाया ही नहीं जाता। इस तरह की स्थिति वास्तव में अधिनियमों के प्रावधानों का उल्लंघन है। यदि कार्रवाई होती है तो कई प्रतिष्ठनों के नाम प्रकाश में आ सकते हैं।

चौथे क्वार्टर फाइनल में धाकड़ पन्ना ने लक्ष्मण इलेवन को 37 रनों से किया पराजित

नवभारत न्यूज

अमानगंज/पन्ना 14 फरवरी। जिले के अमानगंज नगर में आयोजित हो रही विधायक कप टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट के आज चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में धाकड़ पन्ना ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 136 रन बनाते हुए लक्ष्मण 11 को 137 रनो का लक्ष्य दिया।

जिसे पूरा करने उतरी लक्ष्मण 11 रायपुर मात्र 99 रनों पर ही ऑल आउट हो गई इस तरह से धाकड़ पन्ना ने यह मैच 37 रनों से जीतकर सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया आयोजन के पहले आज भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता नगर के प्रमुख पत्रकार गण आयोजन में शामिल हुए। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मस्तराम राजपूत ने टॉस कराया।

मैच की शुरुआत करने से पहले सभी अतिथियो ने संयुक्त रूप से 2 मिनट का मोन धारण करते हुए 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में शहीद हुए हमारे देश के सैनिकों की आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की आयोजन मुख्य रूप से जगदीश गुप्ता लखन तिवारी एवं आयोजन समिति सहित संगठन के विभिन्न नेता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक चौमुखनाथ मंदिर सहित महाशिवरात्रि पर शिवालयों में होंगे धार्मिक आयोजन

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 14 फरवरी। जिले के सलेहा अन्तर्गत प्रसिद्ध ऐतिहासिक- पुरातात्विक तथा कला इतिहास की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है एवं देश भर में विख्यात है, भौगोलिक रूप से नचने विंध्याचल पर्वत श्रंखला और बुंदेलखंड की ऊंचे क्षेत्रों का एक हिस्सा है, वैभवशाली संस्कृति का प्रतीक रहा है।

सलेहा से 6 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नचने में गुप्त कालीन पांचवी शताब्दी में निर्मित प्रसिद्ध चौमुख नाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ की दुर्लभ चतुर्मुखी अद्वितीय प्रतिमा स्थापित है, प्रतिमा में भगवान भोलेनाथ के चतुर्थ मुख अलग-अलग प्रकार की आकृति मे रूप धारण किए हुए हैं। मंदिर समीप स्थित पश्चिमाभिमुखी पार्वती मंदिर एक ऊंचे प्रस्तर निर्मित अधिष्ठान पर निर्मित है जिसकी भू संयोजना में गर्भगृह तथा प्रदक्षिणा पथ निर्मित है, भारत में निर्मित होने वाले मंदिरों में प्रदक्षिणापथ के निर्माण परंपरा का सूत्रपात इसी मंदिर से प्रारंभ हुआ, वर्तमान में मंदिर के गर्भ ग्रह में किसी प्रकार की प्रतिमा स्थापित नहीं है।

मंदिर की द्वारा शाखा के मध्य वीणा धारी शिव के अंकन से यह शिव मंदिर प्रतीत होता है किन्तु कालांतर में यहां पर चौमुख नाथ मंदिर में शिवलिंग स्थापित होने के कारण उसे शिव मंदिर और इस प्रतिमा विहीन गर्भ ग्रह वाले मंदिर का नामकरण पार्वती मंदिर हो गया। सलेहा से आठ किलोमीटर दूर बिल्हा में प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र के नाम से विख्यात स्थल भगवान शिव का प्राचीन मंदिर है। जिसका इतिहास काफी प्राचीन है, सिद्धनाथ में महाशिवरात्रि के अवसर भगवान चौमुख नाथ मंदिर एवं सिद्ध नाथ मंदिर की प्रतिमा की विशेष साज सज्जा के साथ फूल माला, तोरण द्वार, पताका, दूधिया रोशनी से मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है, महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालयों पर जलाभिषेक के साथ भगवान की बरात सहित वैवाहिक कार्यक्रम क्षेत्र वासियों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया जायेगा। इस दौरान स्थानीय धार्मिक समितियों द्वारा कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने के लिए तैयारियां की जा रही है, साथ ही कार्यक्रम में शामिल होने की भी अपील की गई है। सिद्ध नाथ मंदिर कमेटी द्वारा विगत कई वर्षों से शिव विवाह एवं आकर्षक बारात एवं शिव विवाह का आयोजन किया जा रहा है,जहां भगवान शिव एवं माता पार्वती के पैखरी क्षेत्रीय धर्मलंबियों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ की जाती है। इस महाशिवरात्रि के आयोजन में हजारों लोग शामिल होते हैं।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी नहीं शुरू हुआ शाहनगर-रैपुरा मार्ग का निर्माण कार्य

नवभारत न्यूज

पन्ना 14 फरवरी। शाहनगर बोरी रैपुरा मुख्य मार्ग कई वर्षो से बदहाली का दंश झेल रहा है। लोक निर्माण विभाग के इस मार्ग में जगह जगह गहरे गड्ढे हैं। इससे राहगीरों का आवागमन जोखिम भरा हो गया है।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जानलेवा साबित हो रहा है, जबकि चार पहिया वाहनों के खराब होने और फंसने की घटनाएं आम है। मुख्यमंत्री के शाहनगर प्रवास के दौरान इस मार्ग के निर्माण की घोषणा की गई थी उस समय क्षेत्रवासियों को वर्षो पुरानी समस्या से राहत की उम्मीद जगी थी, लेकिन समय बीतने के बावजूद धरातल पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। न सड़क बनी और न ही मरम्मत कराई गई। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के मौसम में हालात और भयावह हो जाते हैं। पानी भरने के गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। कई बार एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहन भी इस मार्ग पर फंस जाते हैं।

शिकायतें दर्जनों, लेकिन समाधान शून्य:- ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रहलाद लोधी सहित संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। सड़क सुधार को लेकर कोई समय समय सीमा तय नहीं की गई। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि शाहनगर-बोरी रैपुरा मार्ग का शीघ्र पुननिर्माण कराया जाए, ताकि आवागमन सुरक्षित हो और जनता को राहत मिल सके।

डीपीएस स्कूल देवेंद्रनगर में हुआ विदाई समारोह

नवभारत न्यूज

देवेंद्रनगर/पन्ना 14 फरवरी। देवेंद्रनगर पब्लिक स्कूल डीपीएस में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन एवं कक्षा 7 वीं की ओर से सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट किए गए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत,नृत्य,भाषण एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिनकी उपस्थितजनों ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका प्रियंका पाण्डेय व साक्षी गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति सदस्य रविन्द्र जैन ने अपने उद्बोधन में निराश न होना सकारात्मक विचार,उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विशिष्ठ अतिथि जीरो मॉडल प्राचार्य रमेश अग्रवाल ने कहा कि कक्षा आठवीं के विद्यार्थी विद्यालय की पहचान होते हैं। हमें गर्व है कि हमारे छात्र अनुशासन,मेहनत और संस्कार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में जीरो सेवा समिति उपाध्यक्ष विनोद जैन, रविन्द्र जैन, प्रवीण जैन, सोनम निगम, पूजा तिवारी, सरिता सोनी, नेहा परोहा, आयुषी अग्रवाल सहित विद्यालय स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक ने देवगांव में विकास कार्यों का किया लोकार्पण

40 लाख रुपए लागत के सीसी रोड एवं पुलिया निर्माण का किया लोकार्पण

नवभारत न्यूज

पन्ना 14 फरवरी। गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने शनिवार को ग्राम देवगांव में ग्रामवासियों को विकास कार्यों की सौगात प्रदान की। विधायक द्वारा 40 लाख रूपए लागत के सीसी रोड एवं पुलिया निर्माण का लोकार्पण किया गया।

गुनौर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत हरद्वाही अंतर्गत देवगांव में लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामों के चहुंमुखी विकास के लिए कार्ययोजना बनाई गई है। इन कार्यों को पूर्ण करने में राशि अथवा बजट का कोई अभाव नहीं रहेगा। हर ग्राम पंचायत में एक करोड़ रूपए राशि तक के विकास संबंधी कार्यों को कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर विभागीय अधिकारियों को गुणवत्तापरक कार्यों के संबंध में नसीहत दी गई। साथ ही गुणवत्ताहीन कार्य पाए जाने पर जवाबदेही तय कर कार्यवाही की चेतावनी भी दी। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा तथा आमजनों को अधिकाधिक लाभ प्रदान करने की मंशा से सुविधा व सेवाओं के निरंतर सुदृढ़ीकरण पर भी जोर रहेगा। कार्यक्रम में जपं अध्यक्ष जलसीबाई आदिवासी, सरपंच दीपा राजे परमार एवं प्रीति पटेल सहित नायब तहसीलदार राजेश मेहरा, बृजेन्द्र खम्परिया, राजेन्द्र चौबे तथा ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

लाड़ली बहनों को मिली फरवरी माह की सहायता राशि

नवभारत न्यूज

पन्ना 14 फरवरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खण्डवा जिले के पंधाना से सिंगल क्लिक के जरिए लाड़ली बहनों को वर्तमान फरवरी माह की आर्थिक सहायता राशि का अंतरण किया।

इस मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की महिला हितग्राहियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को देखा एवं सुना। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार सिंह एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारीगण भी मौजूद थे। जिले की सभी ग्राम पंचायतों, ग्रामों और वार्डों में भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ। पन्ना जिले की एक लाख 80 हजार 451 लाड़ली बहनों को 26 करोड़ 58 लाख रूपए का भुगतान किया गया।

सेटेलाइट खनन निगरानी सिस्टम फेल, पूर्व की तरह खनन माफियाओं का ताण्डव जारी

शासन ने जिला कलेक्टरों को दिए थे कड़े निर्देश, राजनैतिक दबाव में नहीं हुआ क्रियान्वयन

नवभारत न्यूज

पन्ना 14 फरवरी। अबैध खनन पर अंकुश लगाने के लिये समय-समय पर कई प्रयोग किये गये लेकिन खनन माफियाओं एवं प्रशासनिक तथा राजनैतिक सांठगांठ के चलते सारे प्रयोग असफल साबित हुये। अभी इसी वर्ष अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित करने का दावा किया गया था।

कहा गया था कि इसके तहत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है। जिलों को भी इस प्रणाली को तत्परता से लागू करने के निर्देश दिये गये थे। किन्तु अभी तक इस नवाचार के कोई सार्थक परिणाम सामने नहीं आये। अबैध कारोबारी उसी तरह से अपना कारोबार संचालित कर रहे है। एक भी अबैध कारोबारी को चिन्हित कर उसके खिलाफप्रभावी कार्रवाई नही की गई। इसी तरह से जब अबैध उत्खनन हो रहा है तो अबैध भण्डारण एवं परिवहन भी उसी गति से चल रहा है।

निगरानी एवं निर्देशों का पालन क्यों नहीं:- शासन के निर्देशों मे कहा गया था कि सैटेलाइट से नजर रखने के लिए एक पोर्टल विकसित किया गया है और अवैध उत्खनन पाए जाने पर परिवहन एवं भंडारण नियम के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी। इस तरह से कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए गए थे।

जिलों के कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी को अलर्ट की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रत्येक माह पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होनी थी और खनिज अधिकारियों को मोबाइल एप के माध्यम से फील्ड वेरिफिकेशन करना था। खनिज के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए प्रशासन तकनीक का उपयोग करने का दावा किया था। किन्तु यहां वह तकनीक कहीं दिखाई नहीं दे रही है।

कलेक्टरों ने भी की जारी निर्देशों की अनदेखी

इसके क्रियान्वयन को लेकर प्रमुख सचिव खनिज साधन ने सभी जिला कलेक्टरों को दिशा .निर्देश जारी किए थे। वीसी के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया था। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है। कलेक्टरों को सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली का जिले में तत्परता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। साथ ही अवैध उत्खनन पाए जाने पर परिवहन एवं भंडारण नियम के अंतर्गत कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए गये थे बावजूद इसके अबैध खनन पर अंकुश नहीं लग पाया। पता नहीं सिस्टम कहां पर काम कर रहा है।

मोबाइल एप से वैरीफाई होना था अलर्ट

बताया गया था कि जारी किए गए अलर्ट को खनिज अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन कर मोबाइल एप के माध्यम से वेरीफाई किया जाएगा। फील्ड वेरिफिकेशन के बाद अवैध उत्खनन पाए जाने पर अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण नियम 2022 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। पोर्टल के संबंध में वीसी के माध्यम से समस्त जिला कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी .कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया था। किन्तु पन्ना में अभी तक इस सिस्टम की प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। इससे खनिज विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।